३० अगस्त २०२४ दिनांक को केंद्रीय बोर्ड के निदेशकों से संबंधित संक्षिप्त जानकारी

कार्यपालक निदेशक

श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी, अध्यक्ष

श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी ने बैंक अध्यक्ष के रूप में 28 अगस्त 2024 को कार्यभार ग्रहण किया है। वह जनवरी 2020 में भारतीय स्टेट बैंक के बोर्ड में प्रबंध निदेशक के रूप में शामिल हुए और वर्ष 2020 से 2022 तक उन्होंने बैंक के खुदरा एवं डिजिटल बैंकिंग वर्टिकल और उसके बाद अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, विश्व बाजार एवं प्रौद्योगिकी पोर्टफोलियो का नेतृत्व किया। वह भारत सरकार द्वारा गठित विभिन्न कार्य दलों/समितियों का नेतृत्व भी करते रहे हैं।

कृषि विज्ञान में स्नातक और भारतीय बैंकर्स संस्थान के प्रमाणित एसोसिएट श्री शेट्टी ने वर्ष 1988 में भारतीय स्टेट बैंक में परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपना करियर आरंभ किया। तीन दशकों से अधिक के अपने करियर में उन्होंने कॉर्पोरेट क्रेडिट, खुदरा, डिजिटल एवं अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग और विकसित बाजारों में बैंकिंग का समृद्ध अनुभव अर्जित किया है।

भारतीय स्टेट बैंक में श्री शेट्टी ने तनावग्रस्त आस्तियों के प्रबंधन, कॉर्पोरेट बैंकिंग, मिड-कॉर्पोरेट बैंकिंग, विश्व बाजारों, प्रौद्योगिकी और भारत व विदेश में सिंडिकेशन संबंधी महत्वपूर्ण कार्यभार संभाले हैं।

श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक (कॉरपोरेट बैंकिंग एवं अनुषंगियां)

श्री अश्विनी कुमार तिवारी करियर बैंकर हैं, जिन्होंने भारतीय स्टेट बैंक में परिवीक्षा अधिकारी के रूप में वर्ष 1991 में अपना करियर शुरू किया एवं भारत और विदेश में विभिन्न पदों पर बैंक के साथ तीन दशक से अधिक समय बिताया है।

वर्तमान में 21.11.2023 से, वे भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक (कॉरपोरेट बैंकिंग एवं अनुषंगियां) एवं पूर्णकालिक निदेशक हैं और बैंक के सहयोगियों एवं अनुषंगियों के साथ-साथ बैंक के बड़े कॉरपोरेट और वाणिज्यिक ऋण व्यवसाय का कार्य संभाल रहे हैं। इसमें क्रेडिट कार्ड, म्यूचुअल फंड, जीवन एवं सामान्य बीमा, कैपिटल मार्केट, कस्टोडियल सेवाएं आदि जैसे गैर-बैंकिंग व्यवसाय आदि शामिल हैं और इन सभी कंपनियों के बोर्डों में कार्यरत हैं।

इस कार्यभार से पहले वे जून 2022 से प्रबंध निदेशक (जोखिम, अनुपालन और तनावग्रस्त आस्ति समाधान समूह) थे। वहाँ वे बैंक में जलवायु जोखिम प्रबंधन को चलाने और बैंक की तनावग्रस्त संपत्ति रणनीति को आकार देने पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे। उससे पूर्व जनवरी 2021 वे प्रबंध निदेशक थे, जो

अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी और गैर-बैंक सहायक कंपनियों को संभालते थे। एसबीआई के प्रौद्योगिकी क्षेत्र के नवोन्मेषण में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। एसबीआई में प्रबंध निदेशक बनने से पहले, उन्होंने एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ के रूप में कार्य किया जहां उन्होने जीपे, पेटीएम, बीपीसीएल आदि के साथ की गई महत्वपूर्ण भागीदारियों का पर्यवेक्षण किया और कोविड अवधि के तुरंत बाद की अवधि के दौरान कंपनी का संचालन किया।

इससे पहले, वे अप्रैल 2017 से जुलाई 2020 तक भारतीय स्टेट बैंक के यूएस परिचालनों के कंट्री हेड रहे। इससे पहले वे भारतीय हांग कांग में रहते हुए स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रमुख एवं महाप्रबंधक, ईस्ट एशिया रहे।

इन वर्षों में आपने उप महाप्रबंधक (परिचालन एवं सूचना प्रणाली), अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह, मुंबई, भारतीय स्टेट बैंक के नकदी प्रबंधन के प्रमुख, क्षेत्रीय प्रबंधक, शाखा प्रमुख सहित भारतीय स्टेट बैंक में अन्य नेतृत्व पद उन्होंने संभाला।

इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त श्री तिवारी भारतीय बैंकर संस्थान के प्रमाणित एसोशिएट, प्रमाणित वित्तीय आयोजक हैं तथा उन्होंने एक्सएलआरआई से प्रबंधन का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पूरा किया।

श्री विनय एम. तोन्से, प्रबंध निदेशक (खुदरा व्यवसाय एवं परिचालन)

श्री विनय एम. तोन्से ने 21.11.2023 को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में प्रबंध निदेशक (खुदरा व्यापार और परिचालन) का कार्यभार संभाला है। उन्होंने सेंट जोसेफ कॉलेज ऑफ कॉमर्स, बैंगलोर से बी.कॉम और बैंगलोर विश्वविद्यालय से वाणिज्य में मास्टर किया है।

श्री तोन्से ने 1988 में एसबीआई में परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपना करियर शुरू किया। उन्होंने भारत और विदेशों में विभिन्न भौगोलिक स्थानों में विविध व्यावसायिक कार्यों का नेतृत्व किया है। उन्हें बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कॉर्पोरेट क्रेडिट, अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग, ट्रेजरी संचालन, इक्विटी पोर्टफोलियो प्रबंधन, खुदरा बैंकिंग और प्रशिक्षण, कृषि और ग्रामीण बैंकिंग को संभालने और प्रबंधित करने का गहरा अनुभव है।

श्री तोन्से एसबीआई म्यूचुअल फंड्स में प्रबंध निदेशक और सीईओ (जून 2020 से दिसंबर 2022) के रूप में भी प्रतिनियुक्ति पर थे। एसबीआई म्यूचुअल फंड लगभग 18% बाजार हिस्सेदारी के साथ भारत की सबसे बड़ी संपत्ति प्रबंधन कंपनी है।

इससे पहले, वह मुख्य महाप्रबंधक (जून 2018 से जून 2020) के रूप में एसबीआई के चेन्नई मंडल का नेतृत्व कर रहे थे। उनके पास तमिलनाडु और पुद्दुचेरी स्थित एसबीआई के 15,000 स्टाफ सदस्यों और 1260 शाखाओं और कार्यालयों के नेटवर्क के प्रबंधन की समग्र जिम्मेदारी थी।

एसबीआई में श्री तोन्से की कुछ अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निम्नानुसार हैं:

- हैदराबाद में शीर्ष स्तरीय स्टेट बैंक स्टाफ कॉलेज में संकाय सदस्य
- मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एसबीआई ओसाका शाखा, जापान (अगस्त 2009 से जून 2013)
- उप महाप्रबंधक, इक्विटी और कमोडिटीज (विश्व बाजार), कॉर्पोरेट केंद्र, मुंबई (जून 2013 से नवंबर 2016)
- महाप्रबंधक, कॉर्पोरेट लेखा समूह, शाखा बीकेसी, मुंबई (नवंबर 2016 से जून 2018)
- उप प्रबंध निदेशक, कॉर्पोरेट लेखा समूह, भारतीय स्टेट बैंक, कॉर्पोरेट केंद्र, मुंबई

श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह, प्रबंध निदेशक (जोखिम, अनुपालन एवं तनावग्रस्त आस्ति समाधान समूह)

श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह ने 7 अगस्त 2024 को प्रबंध निदेशक (जोखिम, अनुपालन एवं तनावग्रस्त आस्ति समाधान समूह) के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है। श्री सिंह ने 1 अगस्त 1991 को एसबीआई में परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपना करियर शुरू किया। उन्हें बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने का समृद्ध अनुभव प्राप्त है। 33 से अधिक वर्षों के अपने करियर के दौरान, उन्होंने दुनिया भर में विभिन्न व्यावसायिक कार्यनीतिक नेतृत्व भूमिकाओं में काम किया है।

वह इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकर्स के प्रमाणित एसोसिएट और एसपी जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, मुंबई से एमबीए (पीजीईएमपी) हैं। उन्होंने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल, यूएसए, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद और स्टैनफोर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस, कैलिफोर्निया में नेतृत्व विकास कार्यक्रमों में भी भाग लिया है।

उन्होंने बैंक के विभिन्न विभागों जैसे खुदरा और डिजिटल बैंकिंग, ऋण, मानव संसाधन और अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग में कार्य किया है। प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यभार संभालने से पहले, उन्होंने उप प्रबंध निदेशक (खुदरा - व्यक्तिगत बैंकिंग और रियल एस्टेट), उप प्रबंध निदेशक (लेनदेन बैंकिंग और नई पहल), उप प्रबंध निदेशक (कार्यनीति और मुख्य डिजिटल अधिकारी) और उप प्रबंध निदेशक (मानव संसाधन) और कॉर्पोरेट विकास अधिकारी के रूप में कार्य किया है। श्री सिंह ने मुख्य महाप्रबंधक के रूप में एसबीआई के चंडीगढ़ मंडल का नेतृत्व किया है। उन्होंने फ्रैंकफर्ट में एसबीआई के जर्मन परिचालन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में भी कार्य किया है। श्री सिंह ने भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) और इसकी सहायक कंपनियों एनआईपीएल और एनबीबीएल के बोर्डों में एसबीआई के नामित निदेशक के रूप में और पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड के बोर्ड में भी काम किया है।

गैर-कार्यपालक निदेशक

श्री नागराजू मद्दिराला

श्री नागराजू मद्दिराला को केंद्र सरकार द्वारा एसबीआई अधिनियम 1955 की धारा 19(ई) के तहत 30 अगस्त 2024 से अगले आदेश तक निदेशक नामित किया गया है।

श्री नागराजू, आईएएस, सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय 1993 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने हैदराबाद विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर किया।

सेवा के दौरान, आपने सार्वजनिक व्यवस्था, राजस्व और विकास प्रशासन, जनजातीय विकास, वित्त, अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध, उद्योग और वाणिज्य, स्वास्थ्य सेवा और राज्य वित्त के क्षेत्रों में राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य किया है।

राज्य सरकार में, आपने जिला मजिस्ट्रेट, निदेशक, जनजातीय कल्याण, स्वास्थ्य, महिला और बाल विकास, वित्त और उद्योग और वाणिज्य विभागों के सचिव / प्रधान सचिव के रूप में कार्य किया।

वर्ष 2004-08 के दौरान आपने वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग में जापान/उत्तरी अमेरिका और विश्व बैंक प्रभागों में निदेशक के रूप में कार्य किया। इसके बाद, आपने 2008 से 2012 तक वाशिंगटन डीसी में विश्व बैंक में कार्यकारी निदेशक के सलाहकार के रूप में काम किया।

आप वर्ष 2012-13 में एक वर्ष के लिए अमेरिका के पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय में विजिटिंग फेलो और वर्ष 2018-19 में स्टोनहिल कॉलेज में विजिटिंग रिसर्च स्कॉलर रहे।

आपने 30.01.2020 को कोयला मंत्रालय में संयुक्त सचिव के रूप में कार्यभार ग्रहण किया और 03.11.2020 से कोयला मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के रूप में पदोन्नत हुए और उसी मंत्रालय में कार्यभार संभाला। श्री नागराजू भारत सरकार के सचिव के रूप में पदोन्नत हुए और उन्हें 19.8.2024 से वित्तीय सेवाएं विभाग के सचिव के रूप में नियुक्त किया गया।

श्री अजय कुमार

श्री अजय कुमार 14 जुलाई 2023 से अगले आदेश तक एसबीआई अधिनियम, 1955 की धारा 19 (एफ) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं।

श्री कुमार वर्तमान में भारतीय रिज़र्व बैंक के कार्यकारी निदेशक (ईडी) के पद पर हैं और मानव संसाधन प्रबंधन विभाग, परिसर विभाग, राजभाषा विभाग और केंद्रीय सुरक्षा प्रकोष्ठ की देखरेख करते हैं। ईडी के रूप में पदभार संभालने से पहले, वह क्षेत्रीय निदेशक के रूप में आरबीआई के नई दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय

का नेतृत्व कर रहे थे। इससे पहले, उन्होंने जनवरी 2017 से अप्रैल 2021 तक बैंक ऑफ बड़ौदा के बोर्ड में आरबीआई नामित निदेशक के रूप में कार्य किया है।

श्री कुमार ने अर्थशास्त्र में परास्नातक और बैंकिंग में एमएस किया है। वह इंस्टीट्यूट ऑफ बैंक मैनेजमेंट एंड रिसर्च, हैदराबाद से प्रमाणित बैंक प्रबंधक हैं। उन्होंने केलॉग स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, शिकागो से कार्यकारी प्रबंधन कार्यक्रम किया है और भारतीय बैंकिंग और वित्त संस्थान (सीएआईआईबी) के प्रमाणित एसोसिएट सहित अन्य पेशेवर योग्यता रखते हैं।

श्री कुमार दिसंबर, 1991 में भारतीय रिज़र्व बैंक में शामिल हुए और उन्हें बैंकिंग पर्यवेक्षण, विदेशी मुद्रा प्रबंधन, वित्तीय समावेशन और मुद्रा प्रबंधन के क्षेत्रों में विभिन्न क्षमताओं में कार्य करने का 32 वर्षों का व्यापक अनुभव है।

सीए. केतन एस विकमसी

सीए. केतन एस विकमसी भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 19 (सी) के अंतर्गत शेयरधारकों द्वारा 26 जून 2023 से 25 जून 2026 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए पुनः निर्वाचित निदेशक हैं। वे केकेसी एंड एसोसिएट्स एलएलपी, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (पूर्ववर्ती खिमजी कुंवरजी एंड कंपनी एलएलपी) में वरिष्ठ भागीदार हैं, इस फर्म की स्थापना 1936 में हुई थी। उनकी योग्यताओं में आइसीएआइ का आइएफआरएस सर्टिफिकेशन; आइसीएआइ की सूचना प्रणाली लेखा परीक्षा (डीआइएसए) में डिप्लोमा; और आइडीआरबीटी, हैदराबाद का बोर्ड सदस्यों के लिए आईटी व साइबर सुरक्षा में सर्टिफिकेशन शामिल है। वे भारतीय कॉर्पोरेट मामलों के संस्थान के साथ एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में पंजीकृत हैं।

उन्हें बड़े बैंकों, विनिर्माण प्रतिष्ठानों, निवेश बैंकों, बीमा कंपनियों और म्यूचुअल फंडों की लेखापरीक्षा के क्षेत्रों में तीस से अधिक वर्षों का अनुभव है। वे विभिन्न सेमिनारों, बैठकों, आइसीएआइ की क्षेत्रीय परिषदों, आइसीएआइ, भारतीय रिज़र्व बैंक, सीएजी व कई अन्य संगठनों की शाखाओं और अध्ययन मंडलों द्वारा आयोजित व्याख्यानों में वक्ता/अध्यक्ष रहे हैं। वे विपश्यना अनुसंधान संस्थान, इगतपुरी और श्री वी एल विद्यार्थीगृह के ट्रस्टी हैं, जो मुंबई शहर के बीच 150 छात्रों की क्षमता युक्त अत्याधुनिक छात्रावास संचालित करने वाला एक गैर-सरकारी संगठन है। वे वन्यजीव और प्रकृति प्रेमी हैं, पेशेवर फोटोग्राफी में उनकी गहरी रुचि है और उन्हें नए स्थानों और विभिन्न दिलचस्प संस्कृतियों की खोज में दुनिया भर की यात्रा करना पसंद है।

श्री मृगांक एम परांजपे

श्री मृगांक एम परांजपे भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 19 (सी) के अंतर्गत शेयरधारकों द्वारा 26 जून 2023 से 25 जून 2026 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए पुनः निर्वाचित निदेशक हैं।

वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मुंबई से बैचलर इन टेक्नोलॉजी हैं, साथ ही वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद से पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट हैं। एक प्रसिद्ध पूंजी एवं कमोडिटी बाजार विशेषज्ञ के होने के साथ वे सेवा इंटरनेशनल के न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष एवं ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर लिमिटेड के बोर्ड में एक स्वतंत्र गैर-कार्यकारी निदेशक हैं।

उन्हें विभिन्न कार्यात्मक एवं भौगोलिक क्षेत्रों में बैंकिंग, पूंजी और कमोडिटी बाजार, परिसंपत्ति प्रबंधन विनिमय और प्रतिभूति सेवाओं में 33 से अधिक वर्षों का अनुभव प्राप्त है। वह MC3 (www.mcquebe.in) के प्रबंध भागीदार के रूप में अपने परामर्श अभ्यास का नेतृत्व करते हैं। पहले वे एनसीडीईएक्स ई मार्केट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी थे और उससे पहले वे भारत के पहले सूचीबद्ध एवं अग्रणी कमोडिटी एक्सचेंज- मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी रहे हैं। उनके सिंगापुर और भारत में बिभिन्न वित्तीय सहायता संस्थाओं जैसे ड्यूश बैंक, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी, डबल्यू आई सीएआरआर सिक्यूरिटिज, आईएनजी बैरिंग्स और सिटीबैंक आदि में कई सफल कार्यकाल रहे है।

श्री राजेश कुमार दुबे

श्री राजेश कुमार दुबे भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 19 (सी) के अंतर्गत शेयरधारकों द्वारा 26 जून 2023 से 25 जून 2026 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए निर्वाचित निदेशक हैं। वे भारतीय जीवन बीमा निगम के पूर्व कार्यकारी निदेशक हैं। वे वर्ष 1988 में एक सीधी भर्ती के माध्यम से अधिकारी के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम में शामिल हुए एवं फरवरी 2024 में कार्यकारी निदेशक (कार्मिक) के पद से सेवानिवृत्त हुए। उनके पास इंजीनियरिंग की डिग्री है। भारतीय जीवन बीमा निगम में 36 वर्षों की सेवा के दौरान, श्री दुबे को भारत और विदेश (यूके) में जीवन बीमा व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं में अनुभव प्राप्त किया है। उन्होंने प्रारंभिक अवधि में शाखाओं में व्यक्तिगत और समूह व्यवसाय दोनों में सामान्य प्रशासन, ग्राहक सेवा और विपणन में काम करने का अनुभव प्राप्त किया है। फिर वह चार साल तक एलआईसी के यूके कार्यालय में प्रबंधक (विक्रय) के रूप में तैनात रहे और उसके बाद मुंबई और बेंगलुरु में निगम के मंडल कार्यालयों के प्रभारी रहे ।

सूचना प्रौद्योगिकी, नव व्यवसाय, इंटरनेशनल ऑपरेशंस, पर्सनल/एडमिनिस्ट्रेशन, सीआरएम, मार्केटिंग। यूलिप, ईआर-अनुशासन और कार्मिक में विभिन्न विभागों में अनुभव के उपरांत, श्री दुबे ने 22 अप्रैल 2021 को कार्यकारी निदेशक (कार्मिक) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। कार्यकारी निदेशक (कार्मिक) की भूमिका एक विशेषज्ञ पद है जो संगठन के भीतर जनशक्ति नियोजन, प्लेसमेंट, मूल्यांकन, अनुशासन और कर्मचारी एवं औद्योगिक संबंधों आदि के विकास को सुनिश्चित करता है। आईटी, सीआरएम, यूलिप और कार्मिक में अपने कार्यों के दौरान, उन्होंने विभिन्न प्रक्रियाओं को कागज रहित बनाने के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाने में अपनी टीमों का मार्गदर्शन किया, जिससे अधिकृत कर्मचारियों को कहीं से भी काम करने की अनुमति मिली; और ग्राहकों को ऑनलाइन सेवाएं प्रदान करने में। उन्होंने निजी क्लाउड पर यूलिप

प्रशासन के केंद्रीकरण, "प्रौद्योगिकी के एकीकरण (यूडीआईटी) के माध्यम से उन्नत अनुशासनात्मक वर्कफ़्लो" के विकास और कार्यान्वयन और एचआरएमएस के कार्यान्वयन के लिए विक्रेता चयन प्रक्रिया को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

उन्होंने आईआईएम, आईएसबी, एनआईए और सीएएफआरएएल द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया है, सीआईआई, यूके से "वित्तीय योजना प्रमाणपत्र" हासिल किया है और केएसएफसी और टीएफसीआई के बोर्ड पर नामित निदेशक के रूप में भी काम किया है।

सीए. धर्मेन्द्र सिंह शेखावत

सीए. धर्मेन्द्र सिंह शेखावत भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 19 (सी) के अंतर्गत शेयरधारकों द्वारा 26 जून 2023 से 25 जून 2026 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए निर्वाचित निदेशक हैं। वे वाणिज्य में स्नातक हैं और पेशे से चार्टर्ड एकाउंटेंट हैं। वह सितंबर 2002 से मेसर्स डीएस शेखावत एंड एसोसिएट्स, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के मुख्य भागीदार हैं और ठाकुर जसवंत सिंह मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं।

उनके पास लेखांकन, लेखा परीक्षा, वित्त, अर्थशास्त्र, विधि, मानव संसाधन, जोखिम और व्यवसाय प्रबंधन, कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में 20 से अधिक वर्षों का विविध अनुभव और ज्ञान प्राप्त है।

उन्होंने 22.09.2017 से 21.09.2020 तक इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के बोर्ड में एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में काम किया है और आईओसीएल के बोर्ड की ऑडिट समिति के अध्यक्ष भी रहे ।

सीए. प्रफुल्ल पी छाजेड

सीए. प्रफुल्ल पी छाजेड भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 की धारा 19(डी) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा 21 दिसंबर 2021 से तीन वर्ष की अवधि के लिए नामित निदेशक हैं। वे द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के फेलो और प्रैक्टिसिंग सदस्य और सीपीए (ऑस्ट्रेलिया) के सदस्य हैं। उन्होंने एलएलबी (जनरल) किया है तथा फॉरेंसिक अकाउंटिंग एंड फ्रॉड डिटेक्शन और सर्टिफिकेट ऑन बिजनेस रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट (बीआरएसआर) पर आईसीएआई प्रमाणन किया है।

वे द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (2019-20) के अध्यक्ष थे और आईसीएआई के डब्ल्यूआईआरसी (2007-08) के भी अध्यक्ष रहे हैं। वे कन्फेडरेशन ऑफ एशिया एंड पैसिफिक अकाउंटेंट्स (सीएपीए), मलेशिया (2023-2025) के अध्यक्ष हैं। वे मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज क्लियरिंग

कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमसीएक्ससीसीएल) के अध्यक्ष और कुछ अन्य कंपनियों के बोर्ड सदस्य भी हैं। वे इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ अकाउंटेंट्स (आईएफएसी), न्यूयॉर्क के प्रोफेशनल अकाउंटेंसी ऑर्गनाइजेशन डेवलपमेंट ग्रुप के सदस्य थे। वे मुंबई स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पब्लिक पॉलिसी (मुंबई विश्वविद्यालय) के प्रबंधन बोर्ड के सदस्य थे।

अतीत में, उन्होंने बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीए) में एक स्वतंत्र निदेशक और सेबी की प्राथमिक बाजार सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया है। उन्होंने आईसीएआई अकाउंटिंग रिसर्च फाउंडेशन में निदेशक, आईसीएआई के भारतीय दिवाला पेशेवर संस्थान में निदेशक, आईसीएआई पंजीकृत मूल्यांकनकर्ता संगठन में निदेशक, एक्सटेंसिबल बिजनेस रिपोर्टिंग लैंग्वेज (एक्सबीआरएल) इंडिया में निदेशक के रूप में कार्य किया है। वे इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ अकाउंटेंट्स (आईएफएसी) द्वारा गठित वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ अकाउंटेंट्स 2022 की कार्यकारी समिति के अध्यक्ष थे। उन्होंने एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी (पी) लिमिटेड में एक स्वतंत्र निदेशक और जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के स्वतंत्र निदेशक के रूप में भी कार्य किया है। उन्होंने एसएएफए, आईएफएसी एसएमपी समिति, सीए वर्ल्डवाइड, एकीकृत रिपोर्टिंग परिषद आदि जैसे विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में कार्य किया है। उन्होंने व्यापक रूप से दुनिया भर की यात्रा की है और भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई सेमिनारों और सम्मेलनों को संबोधित किया है।

श्रीमती स्वाति गुप्ता

श्रीमती स्वाति गुप्ता भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 की धारा 19(डी) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा 08 मई 2023 से तीन वर्ष की अवधि के लिए नामित निदेशक हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक और राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर किया। उनके पास एल.एल.बी. की उपाधि भी है एवं उन्होने भारतीय प्रबंधन संस्थान से कॉर्पोरेट नेताओं के लिए उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम किया है।

उनके पास प्रशासन में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव है। वे 2012-2017 तक दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की निगम पार्षद और पूर्वी दिल्ली नगर निगम की जोनल चेयरमेन निर्वाचित हुई थीं। उन्हें 2017-2022 के दौरान शिक्षा समिति, एमसीडी का सदस्य नामित किया गया था। वे एक सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् हैं। दिल्ली में वह एक चैरिटेबल ट्रस्ट और प्री-स्कूल चलाती हैं। उन्हें महिलाओं, कानूनी, सामाजिक और उपभोक्ता मुद्दों के मामलों का बृहत अनुभव प्राप्त है।

xxxxxxxxx